Nai Duniya (Rashtriya)

Ambani, Birla, Mahindra, Bharti kholenge payment bank, Reserve Bank ki h

Date: 20/08/2015 | Edition: Delhi | Page: 9 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 17 H: 16

Clip: 1 of 1

अंबानी, बिड़ला, महिंद्रा, भारती खोलेंगे पेमेंट बैंक, रिजर्व बैंक की हरी झंडी

- रिजर्व बैंक ने डाक विभाग समेत 11 को दी सैद्धांतिक मंजूरी
- पेमेंट बैंक की आय का मुख्य जरिया ट्रांजैक्शन फीस होगा
- फिलहाल सिर्फ सैद्धांतिक मंजूरी, केवल 18 महीने तक वैध

मुंबई। देश के बैंकिंग क्षेत्र में नई क्रांति आने वाली है। आमतौर पर बैंकिंग लाइसेंस देने में कंजूसी करने वाले रिजर्व बैंक ने एक साथ 11 संस्थाओं और लोगों को पेमेंट बैंक खोलने की सैद्धांतिक मंजूरी दी है। इसमें मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज, बिड़ला ग्रुप की कंपनी आदित्य बिड़ला नुवो, एयरटेल भारती ग्रुप की कंपनी एयरटेल एम कॉमर्स, महिंद्रा ग्रुप की कंपनी टेक महिंद्रा को पेमेंट बैंक खोलने की मंजूरी मिली है। रिजर्व बैंक ने डाक विभाग को भी पेमेंट बैंक खोलने की मंजूरी दी है। मंजूरी पाने वाली दूसरी कंपनियों में वोडाफोन की एम पैसा, चोलामंडलम डिस्ट्रीब्यूशन सर्विसेज और नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी भी शामिल है। रिजर्व बैंक ने 2 व्यक्तियों पेटीएम और वन97 कंपनी के फाउंडर विजय शेखर शर्मा और सनफार्मा कंपनी के फाउंडर और एमडी दिलीप सांघवी को भी पेमेंट बैंक की मंजूरी दी है। रिजर्व बैंक को पेमेंट बैंक की मंजूरी के लिए 41 अर्जियां मिली थी।

कब खुलेंगे पेमेंट बैंक

रिजर्व बैंक ने साफ किया है कि अभी सिर्फ सैद्धांतिक मंजूरी ही दी गई है। ये मंजूरी 18 महीने तक वैध रहेगी। इस दौरान लाइसेंस मिलने वाली कंपनियों को रिजर्व बैंक की सभी शर्तों को पूरा करना होगा। सभी शर्तें पूरी होने के बाद कारोबार शुरू करने के लिए रिजर्व बैंक इन कंपनियो को बैंकिंग लाइसेंस देगा। जब तक रिजर्व बैंक अंतिम लाइसेंस नहीं देता तब तक कोई भी कंपनी कारोबार शुरू नहीं कर पाएगी।

पेमेंट बैंक से फायदे

रिजर्व बैंक ने ज्यादा पहुंच वाली बड़ी कंपनियों को ही पेमेंट बैंक के लाइसेंस दिए हैं। मसलन रिलायंस और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया एक साथ पेमेंट बैंक खोलेंगे। एयरटेल, वोडाफोन और बिड़ला ग्रुप की कंपनी आइडिया की पहुंच पूरे देश में है। डाक विभाग का नेटवर्क भी पूरे देश में है। ऐसी कंपनियों को पेमेंट बैंक खोलने के लिए लाइसेंस मिलने से बैंकिंग सेवाओं की पहुंच दूरदराज तक होगी।

- बैंकिंग में कॉरपोरेट के आने से सुविधाएं बढ़ेंगी
- बिल पेमेंट, पैसे भेजने में आसानी होगी
- इंश्योरेंस, म्युचुअल फंड, पेंशन प्रोडक्ट आम जनता तक पहुंचेंगे
- मोबाइल बैंकिंग और इंटरनेट बैंकिंग की सुविधा की पहुंच भी बढ़ेगी

> सरकार के फाइनेंशियल इनक्लूजन के काम को आगे बढ़ाने में सहयोग करेंगे।
> - वोडाफोन

ऐसे काम करेंगे पेमेंट बैंक

- पेमेंट बैंक पूर्ण बैंक नहीं होंगे
- ये बैंक करंट डिपॉजिट, सेविंग डिपॉजिट अकाउंट खोल पाएंगे
- एक ग्राहक का 1 लाख रुपए से ज्यादा डिपॉजिट नहीं कर सकेगा
- पेमेंट बैंक ब्रांच और एटीएम खोल सकेंगे
- डेबिट कार्ड और इंटरनेट बैंकिंग की सुविधा भी दे सकेंगे पेमेंट बैंक
- पैसे ट्रांसफर करने की सुविधा भी होगी
- म्युचुअल फंड, इंश्योरेंस, पेंशन प्रोडक्ट भी बेंच सकेंगे
- बिल भरने की सुविधा भी दे सकेंगे ये बैंक

क्या नहीं कर सकेंगे

- लोन नहीं दे सकेंगे
- क्रेडिट कार्ड नहीं जारी कर पाएंगे